प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)

त्रिदिवसीय प्रषिक्षण कार्यक्रम का समापन

पन्तनगर। 9 जून 2025। प्रभावशाली शोध के लिये क्षमता विकास विषय पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा आ.सी.ए.आर. के एससी–एसपी के अंतर्गत आयोजित किये गये त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डा. ओम प्रकाश सिंह नेगी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति मनमोहन सिंह चौहान ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय पुस्तकालय परामर्श बैठक में पारित संकल्प के क्रम में विश्वविद्यालय पुस्तकालय सभागार का औपचारिक रूप से नामकरण विश्वविद्यालय पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष श्री रामतीर्थ के नाम पर रामतीर्थ सभागार के रूप में किया गया। इस समारोह में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, संकाय सदस्य एवं प्रतिभागी छात्र सम्मिलित रहे। प्रभारी विश्वविद्यालय डा. एस.सी. त्रिपाठी द्वारा सभी का स्वागत किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डा. के. पी. सक्सेना, उप–पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सार संक्षेप प्रस्तुत किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में परा–स्नातक एवं पी.एच.डी. के 30 छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं विश्वविद्यालय पुस्तकालय एवं पुस्तकालय के संकाय सदस्यों एवं अन्य संस्थानों से आमंत्रित के विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा शोध के प्रभाव को बढ़ाने से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं अकादमिक विषयों पर 15 व्याख्यान दिये गये। आमंत्रित के विशेषज्ञ वक्ताओं में आई.आई.टी. दिल्ली के डा. नवी हसन, एन.आई.टी. जालांधर के डा. डी.पी. त्रिपाठी एवं ए.एम.यू. के डा. मो. नजीम मुख्य वक्ता रहे। डा. डी.पी. त्रिपाठी द्वारा मेण्डले साफ्टवेयर से शोध प्रबंधन एवं ए.आई. टूल्स से अकामिक लेखन पर वर्चुअल मोड में व्याख्यान दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति मनमोहन सिंह चौहान द्वारा अपने उदभोदन में पुस्तकालय के पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष श्री रामतीर्थ के योगदान को स्मरण किया जिनके योगदान के कारण यह पुस्तकालय वर्तमान में अपनी सेवाएं दे पा रहा है। कुलपति द्वारा श्री रामतीर्थ जी को दूरभाष पर इस उनके योगदान की सराहना की एवं सभागार का नामकरण उनके नाम पर किये जाने पर हार्दिक प्रशन्नता व्यक्त की। कुलपति द्वारा प्रशिक्षण की सराहना करते हुये भविष्य में विश्वविद्यालय एवं बाहर के संस्थानों के अधिक से अधिक संकाय सदस्यों, एवं छात्रों को ऑनलाईन मोड में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़े जाने की आवश्यकता बताई। उनके द्वारा छात्रों को शोध में साहित्य चोरी जैसे विषयों में साचेत रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में कुलपति एवं मुख्य अतिथि डा. ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा प्रतिभागी छात्रों को किट एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। मुख्य अतिथि, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डा. ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा कार्यक्रम में सम्मलित होने पर प्रशन्नता व्यक्त करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की और छात्रों को अधिक से अधिक ओपेन एसेस में शोध पत्र लिखने के प्रेरित किया। डा. पंकज सिंह द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से डा. दीपा विनय, कुलसचिव, निदेशक स्नोतकोत्तर शिक्षा, निदेशक संचार, परीक्षा नियंत्रक श्रीमती हेमा हल्दुआ, श्रीमती चन्दा आर्या डा. सुपर्णा शर्मा आदि उपस्थित रहे।